और झूठ बोलने के प्रवृत्ति पर सत्यवादिता से ही निर्णय प्राप्त होता है।

Shot on realme C3
AI DUAL CAMERA

5 एतेषां शब्दानां विभक्तिं वचनं च लिखत।

	विभक्तिः	वचनम्
(क) दैवात्	पञ्चमी	एकवचन
(ख) साधुना	तृतीया	एकवचन
(ग) लोभात्	पंञ्चमी	एकवचन
(घ) मूर्खाणाम्	षष्ठी	बहुवचन
(ङ) लोकस्य	षष्ठी	एकवचन

6 अधोलिखितानां पदानां समक्षं विभक्तिं लिखत।

(क) सीतायै = चतुर्थी

(ख) पानाय = चतुर्थी

(ग) रोटिकां = द्वितीया

(घ) ग्रामेषु = सप्तमी

(ङ) विद्यालयस्य = षष्ठी

(च) पुस्तकात् = पञ्चमी

(छ) रामेण = तृतीया

(ज) दण्डेन = तृतीया

7 एतेषां शब्दानां प्रयोगं कृत्वा वाक्यानि रचयत।

(क) रिपुः दुश्मन

रावणः रामस्य रिपुः आसीत्।

(ख) वपुः शरीर

मम मित्रस्य वपुः स्थूलम अस्ति

(ग) साधुः सन्त

साधुः सदा सत्यं वदति।

(घ) शीलम् अच्छा आचरण

शीलं सर्वश्रेष्ठं धनम्।

Scanned by TapScanner

कारक का सामान्य परिचय

क्रमांक	विभक्ति	कारक	चिन्ह
1	प्रथमा	कर्ता	ने
2	द्वितीया	कर्म	को
3	तृतीया	करण	से (के द्वारा)
4	चतुर्थी	सम्प्रदान	के लिए
5	पञ्चमी	अपादान	से (अलग होने के अर्थ में)
6.	षष्ठी	सम्बंध.	का, के की. रा. रे. री
7.	सप्तमी	अधिकरण.	में. पै. पर
8.	सम्बोधन	सम्बोधन	हे! ओ! अरे! रे!

संस्कृत में वाक्य रचना करते समय कर्ता और क्रिया आवश्यक रूप से ध्यान देने योग्य है।

अकारान्त-पुँल्लिंग 'बालक' शब्द:

विभक्ति:	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा कर्ता	बालक: ने	बालकौ दोनों	बालका: सब
द्वितीया कर्म	बालकम् को	बालकौ	बालकान्
तृतीया करण	बालकेन से (के द्वारा)	बालकाभ्याम	बालकै:
चतुर्थी सम्प्रदान	बालकाय के लिए	बालकाभ्याम्	बालकेभ्य:
पञ्चमी अपादान	बालकात् से (अलग	बालकाभ्याम्	बालकेभ्य:
षष्ठी सम्बंध	बालकस्य का, के	बालकयो:	बालकानाम्
सप्तमी अधिकरण	बालके में, पर	बालकयो:	बालकेषु
सम्बोधन, सम्बोधन	हे बालक! हे! ओ	हे बालकौ!	हे बालका:!

Scanned by TapScanner